अमर उजाला 19/10/2023

विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों से दी समाज को सीख

जीएमएन कॉलेज में जोनल युवा महोत्सव का आगाज, दुष्कर्म, यातायात नियमों, मोबाइल के बढ़ते प्रयोग पर कटाक्ष

छावनी के जीएमएन कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय जोनल यूथ फेस्टिवल में प्रस्तुति देतीं छात्राएं। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। छावनी के गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज में तीन दिवसीय जोनल युवा महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को हुआ। महोत्सव का शुभारंभ उपायुक्त डॉ. शालीन ने किया। पहले दिन विद्यार्थियों ने कोरियोग्राफी के माध्यम से दुष्कर्म, ट्रैफिक नियमों, मोबाइल के बढ़ते प्रयोग पर कटाक्ष किया और मां-बेटी का प्यार भी दर्शाया।

कार्यक्रम में गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचना था, लेकिन किसी कारणवश वह नहीं पहुंच सके। उन्होंने महोत्सव के आयोजन व कॉलेज की गतिविधियों के लिए 25 लाख रुपये दिए।

डॉ. शालीन ने कहा कि नई प्रतिभाओं को सीखने के लिए कॉलेज या स्कूल मंदिर होते हैं। यहां पहुंचने पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त, प्रधान डॉ. गुरदेव सिंह, महासचिव अजय अग्रवाल, जसवंत जैन ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

हेलमेट नहीं पहना तो यमराज ने करवाए यमलोक के दर्शन

छावनी के एसडी कॉलेज ने कोरियोग्राफी में ट्रैफिक नियमों का पालन करने पर प्रस्तुति दी। प्रस्तुति में दर्शाया कि वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना कितना जरूरी है। बिना हेलमेट के जब व्यक्ति का सड़क हादसा हो जाता है और उसे यमलोक में यमराज कैसे लेकर जाता है और उसके साथ यमराज क्या-क्या करता है, यह दिखाया गया। साथ ही हेलमेट न पहनने पर लापरवाही से हुए सड़क हादसे से कैसे एक हंसता-खेलता परिवार उजड़ जाता है, यह सब दृश्य दर्शाया गया। संदेश दिया कि वाहन चलाते समय हेल्मेट पहनना बहुत जरूरी है।

मोबाइल बच्चों को निगल रहा है कुछ नहीं कर पा रहे अभिभावक

एक मोबाइल ने हमारी जिंदगी कितनी बदल दी है, यह छावनी के आर्य गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने कोरियोग्राफी के माध्यम से दर्शाया। थीम में बताया कि मोबाइल का नशा ड्रग्स से भी ज्यादा बढ़ रहा है। अब मोबाइल हमारी जिंदगी को चलाएगा। इस समय मोबाइल बच्चों को निगल रहा है। अभिभावक यह सब देख रहे हैं। वह परेशान है, लेकिन वह कुछ नहीं कर सकते। मोबाइल ने जिंदगी आसान कर दी, लेकिन अपनों से दूर कर दिया। बापू के तीन बंदर के बाद यह चौथा बंदर हमारी जिंदगी में आया है। इसी तरह एसए जैन कॉलेज के प्रतिभागियों ने कोरियोग्राफी में मां बेटी के प्यार को दिखाया। इसके अलावा नारायणगढ़ राजकीय महाविद्यालय के प्रतिभागियों ने लाडो थीम पर कोरियोग्राफी के माध्यम से बेहतरीन प्रस्तुति दी। जिसमें दर्शाया गया कि देश में निर्भया, मणिपुर जैसी दुष्कर्म व किडनैपिंग की घटनाएं हो रही हैं।

एसडी कॉलेज के प्रतिभागियों ने कोरियोग्राफी के माध्यम से हेलमेट पहनने के लिए किया जागरूक। संवाद

पहले दिन के परिणाम

- **कोरियोग्राफी :** एसडी कॉलेज अंबाला छावनी प्रथम, आर्य गर्ल्स कॉलेज अंबाला छावनी द्वितीय, एमए जैन कॉलेज अंबाला सिटी तृतीय।
- **क्लासिकल डांस मोलो :** जीएमएन कॉलेज अंबाला छावनी प्रथम, एमडीएसडी कॉलेज अंबाला सिटी द्वितीय, एसडी कॉलेज अंबाला छावनी तृतीय।
- **फोक सांग हरियाणवी मोलो :** एसडी कॉलेज अंबाला छावनी प्रथम, जीएमएन कॉलेज अंबाला छावनी द्वितीय, राजकीय महिला महाविद्यालय शहजादपुर तृतीय।
- **सोलो डांस हरियाणवी महिला :** राजकीय कॉलेज अंबाला छावनी प्रथम, एसडी कॉलेज अंबाला छावनी द्वितीय, डीएवी कॉलेज अंबाला सिटी तृतीय।
- **पोस्टर मेकिंग :** एसडी कॉलेज अंबाला छावनी प्रथम, राजकीय महाविद्यालय अंबाला छावनी द्वितीय, राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-1 पंचकूला तृतीय।
- **ऑन द स्पॉट पेंटिंग :** एसए जैन कॉलेज अंबाला सिटी प्रथम, राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-1 पंचकूला द्वितीय, एसडी कॉलेज अंबाला छावनी तृतीय।
- **रंगोली :** एमडीएसडी कॉलेज अंबाला सिटी प्रथम, राजकीय महाविद्यालय अंबाला छावनी द्वितीय, राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-1 पंचकूला तृतीय।
- **फोक सांग जनरल :** एसडी कॉलेज अंबाला छावनी प्रथम, जीएमएन कॉलेज अंबाला छावनी द्वितीय, एमडीएसडी कॉलेज अंबाला सिटी तृतीय रहा।

जोनल यूथ फेस्टिवल में वीडियो बनाती छात्रा। संवाद

प्रस्तुति में झलकी पंजाब की संस्कृति

कोरियोग्राफी के बाद रिच्युअल के इवेंट करवाए गए। इस इवेंट में हरियाणवी व पंजाब की पुरानी संस्कृति को दर्शाया गया। किस तरह पहले लोग सामान्य रूप से सभी रीति-रिवाज करते थे। चाहे वह शादी हो या किसी के घर बच्चा पैदा होने की खुशी। पंजोखरा साहिब के श्री गुरु हरकृष्ण साहिब खालसा कॉलेज के प्रतिभागियों ने पंजाबी कल्चर के बारे में बताया कि कैसे बेटे के शादी होने पर पुराने समय में मामा-नानकों का बेटे की मां यानि उनकी बहन व उनका परिवार स्वागत करते थे और कैसे सभी रीति-रिवाज किए जाते थे। शादी के गीत से लेकर, बान लगाना, रात को बोलियां पाना और सुबह बरात चढ़ना दिखाया गया। बिना डीजे के कैसे लोग शादी को सामान्य रूप से करते थे। इस इवेंट को प्रोफेसर प्रवीन कौर, प्रो. मनीषा मान ने तैयार करवाया। कॉलेज कन्वीनर प्रो. रामकुमार, इंचार्ज कंवलप्रीत, अमनदीप का भी सहयोग रहा।

जीएमएन कॉलेज में पंजाब की संस्कृति दिखाते कलाकार। संवाद

महोत्सव में पहुंचे उपायुक्त डॉ. शालीन का स्वागत करता कॉलेज प्रबंधन। संवाद